एसआरयू वर्ल्ड

मासिक समाचार पत्रिका
वर्ष –2, अंक –22
माह – नवम्बर 2024

सिर्फ किताबी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं, व्यावहारिक कौशल भी जरूरी है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर (छ.ग.)

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में अंतर्राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स दिवस मनाया गया... इस नई विधा में कार्रिएर चुनने और सेवा देने का अवसर ... प्रो.एस.के.सिंह

5 नवंबर 2024 को एक भावपूर्ण समारोह के रूप में श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने अंतर्राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स (पी एंड ओ) दिवस मनाया, जो दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में कृत्रिम अंगों और आर्थोसिस की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी को समान और सुलभ पी एंड ओ सेवाएं प्रदान करने के महत्व को उजागर करना था, जिसमें क्षेत्र में संसाधनों और आउटरीच में सुधार पर विशेष ध्यान दिया गया था।

कार्यक्रम के दौरान, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) श्री राजेश तिवारी ने इस दिन के उद्देश्य पर अपने विचार साझा किए, तथा प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक सेवाओं तक अधिक पहुंच की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के गंभीर आंकड़े भी प्रस्तुत किए, जिसमें खुलासा हुआ कि 5% आबादी किसी न किसी रूप में दिव्यांगता से प्रभावित है।

कुलपति प्रो.एस.के. सिंह ने अपने संबोधन में इस तरह के महत्वपूर्ण विषय पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इस पहल की सराहना की। उन्होंने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस नई बिदा में कार्रिएर चुनने और सेवा देने का अवसर युवाओं को प्राप्त होगा और यह पी एंड ओ सेवाओं के महत्व एवं इस क्षेत्र में आगे के विकास की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित करने का एक अनूठा और समयोचित अवसर है। उनकी टिप्पणियों में चिंतनशील विमर्श स्थापित किया, जिससे सामाजिक आवश्यकताओं को संबोधित करने वाली पहलों का समर्थन करने के लिए यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता को बल मिला।

इस कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से 200 से अधिक विद्यार्थी, शोधकर्ता और प्रोफेसर ने देश के विभिन्न राज्यों से भाग लिया। डॉ. स्वागतिका मिश्रा एचओडी और संयुक्त निदेशक एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी नवी मुंबई, डॉ. रंजीत कुमार एचओडी शकुंतला यूनिवर्सिटी लखनऊ (यूपी), डॉ. एमसी दास एचओडी उत्तर रेलवे, डॉ. राजीव वर्मा ऑर्थोको रांची और डॉ. रविका पाचाल कोच्चि से श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटीके छात्रों और स्टाफ सदस्यों के साथ ऑनलाइन जुड़कर अपने विचार भी साझा किये।

कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा, अकादमिक डीन डॉ. आर.आर.एल. बिराली और फार्मेसी विभाग के प्रिंसिपल डॉ. विजय सिंह की उपस्थिति ने कार्यक्रम को समृद्ध किया। उनमें से प्रत्येक ने विशेष रूप से दिव्यांग लोगों के लिए गतिशीलता, स्वतंत्रता और समग्र स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के संदर्भ में कृत्रिम अंगों और ऑर्थोसिस के महत्व पर विस्तार से बताया। उनकी बातचीत ने पी एंड ओ प्रौद्योगिकी और सेवाओं को आगे बढ़ाने में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का समापन से यह स्पष्ट हुआ कि यूनिवर्सिटी की पहल महज एक उत्सव नहीं थी - यह आग्रह का आह्वान था, जिसमें शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और नीति निर्माताओं के बीच अधिक सहयोग का आग्रह किया गया था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक देखभाल के जीवन-परिवर्तनकारी लाभों तक पहुंचने में कोई भी पीछे न रह जाए।

अर्थशास्त्र विभाग, कला संकाय द्वारा "भारतीय ज्ञान प्रणाली" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन...

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में हाइब्रिड माध्यम से अर्थशास्त्र विभाग कला संकाय द्वारा आयोजित कार्यशाला में 200 से अधिक विद्यार्थी और शोधकर्ता हुए शामिल। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रोफेसर रविन्द्र के. ब्राह्मे और प्रोफेसर गोवेर्धन भट्ट रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया, तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर एस.के.सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा द्वारा किया गया ।

अपने स्वागत उद्बोधन में कुलपति प्रोफेसर एस.के.सिंह ने अपने विचार व्यक्त कर कहा कि शिक्षाविदों और विद्यार्थियों मार्गदर्शन के लिए आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का यह आयोजन भारतीय ज्ञान प्रणाली, प्राचीन ज्ञान, बुद्धिमत्ता का विभिन्न नवीन शैक्षणिक प्रणालियों के लिए एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराता है।

डीन ऑफ़ आर्ट्स डॉ.मनीष पाण्डेय ने बताया कि भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आधारित इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ज्ञान परंपरा का वास्तविक महत्व बढ़ाना है। नई शिक्षा नीति के संपूर्ण पाठ्यक्रम में भारतीय परम्परा के कार्यान्वयन को समझना है । भारतीय ज्ञान प्रणाली औपचारिक रूप से जीवंत परंपरा है जिसको हम प्रतिदिन अपने जीवन में अपनाते है, जो हजारों वर्ष पुरानी पद्धति है।

आई. के.एस सेटर पं.रविशंकर शुक्ल विश्विद्यालय रायपुर के निदेशक मुख्य अतिथि प्रोफेसर रविन्द्र के ब्राह्मे ने अपने उद्बोधन में कहा है कि भारतीय ज्ञान परंपरा बहुत रोचक विषय है, जिसमें भारतीय ज्ञान पर भविष्य में वृहद रूप से अनुसंधान सामने आएंगे । भारतीय ज्ञान परम्परा के आधार पर हमारी सोच का निर्माण हुआ है और इस ज्ञान का प्रयोग आर्थिक विकास के लिए सदैव होगा । प्राचीन समय मे आज से दो हजार साल पहले दुनिया के अर्थव्यवस्था को 25 से 30 प्रतिशत का योगदान भारतीय अर्थव्यवस्था से होता था और आधुनिक युग में आधुनिक सिद्धांतों का आधार हमारा भारतीय ज्ञान प्रणाली है। भारतीय ज्ञान परंपरा का सामाजिक और आर्थिक विकास में सहयोग रहेगा ।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में प्रोफेसर गोवेर्धन भट्ट सिविल इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी ने कार्यशाला में बताया कि पानी भोजन से भी अधिक महत्वपूर्ण है। पानी ही जीवन के सभी रूपों को ग्रहण करता है और पानी ही मध्यस्थता करता है। पानी सभी प्रकार के जीवन के लिए आवश्यक है, पानी जिससे यह सम्पूर्ण ब्रह्मांड बना है। उन्होंने वैदिक ऋचाओं और सूक्तों के उदाहरण देते हुए बताया कि बारिश का पानी हमेशा अमृततुल्य है , इसकी तुलना हम धरती पर उपलब्ध किसी भी अन्य स्वादिष्ट पेय पदार्थ जैसे दूध, घी से कर सकते हैं ।

यूनिवर्सिटी के कुल सचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने इस समारोह पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज यह एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला प्राचीन सनातन विषय पर चिंतन एवं मंथन करने के लिए आयोजित की गई है। विभिन्न विषयों के ज्ञान के साथ-साथ कुछ अलग-अलग ज्ञान और अध्यात्म से समृद्ध ज्ञान का अध्ययन आवश्यक हो गया है ।हर पाठ्यक्रम को भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ जोड़ा जा रहा है। महा-उपनिषद के अनुसार भारत की ज्ञान परंपरा तभी से प्रारंभ होती है जब से मानवता का विकास हुआ, अतः हम संपूर्ण विश्व को अपना परिवार मानते हैं। सरकार ने नई शिक्षा नीति में ऋषि-मुनियों के ज्ञान को शामिल किया है।

प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, डीन अकादमिक प्रो. आर.आर.एल. बिराली, कार्यशाला संयोजक डॉ. पुष्पा भारती दत्ता, सहायक प्रोफेसर, आयोजन सचिव डॉ. अर्चना तुपट (सहायक प्रोफेसर) और डॉ. नरेश गौतम (सहायक प्रोफेसर), एवं आयोजन समिति और यूनिवर्सिटी परिवार के सभी सदस्य इस अवसर पर उपस्थित रहे।

प्रबंधन एवं वाणिज्य संकाय ने पारले जी विनिर्माण इकाई का औद्योगिक दौरा आयोजित किया...

9 नवंबर, 2024 को, प्रबंधन और वाणिज्य संकाय ने भारत के अग्रणी बिस्किट निर्माताओं में से एक, पारले जी में एमबीए, बीबीए और बी.कॉम के छात्रों के लिए एक औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा में कुल 52 छात्रों ने भाग लिया, साथ में विभाग के 3 संकाय सदस्य भी थे। शैक्षिक यात्रा का उद्देश्य छात्रों को बिस्किट निर्माण के विभिन्न चरणों, कच्चे माल की खरीद से लेकर पैकेजिंग तक, औद्योगिक प्रक्रियाओं की गहरी समझ हासिल करने के साथ-साथ व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था।

इस यात्रा की शुरुआत पारले जी के मानव संसाधन प्रबंधक श्री नवीन सिंह के एक सूचनात्मक सत्र से हुई, जिन्होंने कंपनी के इतिहास, मिशन और गुणवत्ता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का अवलोकन कराया। एक लघु वीडियो ने पारले की विविध उत्पाद श्रृंखला और विनिर्माण तकनीकों को और अधिक स्पष्ट किया। इसके बाद, छात्रों को दो समूहों में विभाजित किया गया और उत्पादन प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखने के लिए विनिर्माण इकाई के निर्देशित दौरे पर ले जाया गया। श्री सिंह ने विनिर्माण प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की व्याख्या की, जिसमें कच्चे माल का भंडारण और हैंडलिंग, मिश्रण और आटा तैयार करना, बेकिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और पारले उत्पादों का विपणन शामिल था। इस सत्र में बड़े पैमाने पर खाद्य उत्पादन की पेचीदगियों और उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने पर कंपनी के जोर के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी गई।यात्रा के समापन पर, एक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जहाँ छात्रों को प्रश्न पूछने का अवसर मिला और श्री सिंह ने धैर्यपूर्वक उनके प्रश्नों का उत्तर दिया, जिससे अनुभव और भी समृद्ध हो गया।

पूरे कार्यक्रम का प्रबंधन और मार्गदर्शन प्रबंधन और वाणिज्य संकाय के डीन डॉ. अनूप श्रीवास्तव और प्रबंधन विभाग की प्रमुख प्रो. (डॉ.) भारती पुजारी ने किया। यात्रा का समन्वय डॉ. शिल्पी यादव और डॉ. निकिता ढोलकिया ने किया, जिससे सभी प्रतिभागियों के लिए एक सहज और व्यावहारिक अनुभव सुनिश्चित हुआ।यह औद्योगिक यात्रा छात्रों के लिए अकादमिक ज्ञान और वास्तविक दुनिया के उद्योग प्रथाओं के बीच की खाई को पाटने का एक उत्कृष्ट अवसर साबित हुई, जिससे देश के सबसे प्रतिष्ठित ब्रांडों में से एक में विनिर्माण प्रक्रिया का व्यापक दृष्टिकोण सामने आया।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय ने नर्सिंग छात्रों के लिए सफल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय (एसआरयू) ने प्रतिष्ठित एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट, मुंबई के सहयोग से नर्सिंग छात्रों के लिए कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 75 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्लेसमेंट ड्राइव का समापन शानदार तरीके से हुआ, जिसमें 35 छात्रों को एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट से नौकरी के प्रस्ताव मिले। संगठन ने उम्मीदवारों की गुणवत्ता पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की और भविष्य में भर्ती के अवसरों के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एसआरयू के सम्मानित कुलपति डॉ. एस के सिंह द्वारा एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट की निदेशक सुश्री आशिफा, एचआर प्रमुख और अन्य प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह प्रदान करना था। यह इशारा एसआरयू और प्रमुख स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी को रेखांकित करता है। एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट ने अकादमिक सहयोग और दीर्घकालिक भर्ती पहलों के लिए एसआरयू के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) को आगे बढ़ाने में अपनी रुचि का संकेत दिया। यह सफल प्लेसमेंट ड्राइव अपने छात्रों को उत्कृष्ट करियर के अवसर प्रदान करने और मजबूत उद्योग संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एसआरयू की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के कला संकाय एवं भारतीय सहायक प्रौद्योगिकी संघ के सयुंक्त तत्वाधान में 'वरीष्ठजन देखभाल पहल को मजबूत करने' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन...

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर में भारतीय सहायक प्रौद्योगिकी संघ (IAAT) द्वारा प्रायोजित "स्ट्रेंथनिंग सीनियर केयर इनिशिएटिव, इन्क्लुडिंग इम्प्रूविंग एक्सेस टू एस्सेस्टिव टेक्नोलॉजी" पर एक शोधपरक एक-दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और बुजुर्ग आबादी के लिए सहायक प्रौद्योगिकी तक पहुँच बढ़ाने के तरीकों की खोज करना था।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, श्री राजेश तिवारी ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया, और वरीष्ठजन देखभाल पहल को आगे बढ़ाने में उनकी भागीदारी और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की।

कार्यक्रम के दौरान, श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के माननीय कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने 2018 में अपनी स्थापना के बाद से संस्थान के विकास और शैक्षिक पहलों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। कुलपति ने यूनिवर्सिटी में इस महत्वपूर्ण कार्यशाला के सफल आयोजन पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए समाज के वरिष्ट नागरिकों के प्रति संवेदना पूर्ण संकल्प की आवश्यकता पर बल दिया।

एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी) में सहायक देखभाल एवं प्रौद्योगिकी के वरिष्ठ सलाहकार श्री चपल खासनबीस ने प्रौद्योगिकी और नवाचार के माध्यम से वरिष्ठ व्यक्तियों के देखभाल में सुधार के लिए वैश्विक और क्षेत्रीय प्रयासों में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की।

स्वास्थ्य और पुनर्वास प्रौद्योगिकी (HeaRT) के तकनीकी प्रमुख डॉ. पतंजलि देव नायर ने वरीष्ठ नागरिकों के दैनिक जीवन में सहायक उपकरणों और प्रौद्योगिकियों की भूमिका पर चर्चा करते हुए अपने अनुभव साझा किये।

कार्यशाला में इंटरैक्टिव सत्र भी शामिल था, जिसमें यूनिवर्सिटी के कला संकाय के विद्यार्थी साक्षात्कार के माध्यम से सीधे वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े और गहन विश्लेषण करके बुजुर्गों के कल्याण के लिए प्रभावी नीतियाँ तैयार करने के उद्देश्य से एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की। यह रिपोर्ट एक शोधपरक प्रयास है, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए मौजूदा सरकारी योजनाओं के प्रभाव और पहुँच का आकलन करने के लिए विश्लेषण किया गया, इसीप्रकार का विश्लेषण छत्तीसगढ़ के साथ मिजोरम और कर्नाटक में डेटा संग्रह और फील्डवर्क के माध्यम से होना है । कार्यशाला के शोध निष्कर्षों के आधार पर अंतिम रिपोर्ट वरिष्ठ नागरिकों की बेहतर सेवा के लिए नीतियाँ बनाने में परामर्श के लिए भारत सरकार को प्रस्तुत की जाएगी। कार्यशाला का आयोजन कला संकाय के समाजशास्त्र विभाग और यूनिवर्सिटी के जनसंपर्क विभाग द्वारा किया गया था, जिसकी समन्वयक डॉ. अंजलि यादव थी। इस कार्यशाला ने जागरूकता, प्रौद्योगिकी और शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और समुदाय के बीच सहयोग के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (NRHM) के उप निदेशक डॉ. शैलेंद्र अग्रवाल ने कार्यशाला के संचार प्रयासों का समन्वय किया और यह सुनिश्चित किया कि स्थानीय नागरिकों की प्रतिक्रिया और अंतर्दृष्टि के विश्लेषण में एकीकृत प्रयास किया जाए। छत्तीसगढ़ के समाज कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक श्री नदीम काजी ने भी कार्यशाला में भाग लिया और राज्य की योजनाओं के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण जानकारी दी।

कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. मनीष पाण्डेय ने सभी अतिथियों और वरीष्ठ नागरिकों को धन्यवाद ज्ञापित किया और डॉ. सागर साहू (सहायक व्याख्याता) ने अत्यंत जीवंत मंच संचालन किया। कार्यशाला में डीन एकेडेमिक्स डॉ. आर. आर. एल. बिराली , उप-कुलसचिव(एच.आर) श्री मनोज सिंह और कला संकाय के सभी प्राध्यापक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने तीन दिवसीय भारत एजुकेशन एक्सपो 2024 नोएडा उत्तरप्रदेश में भाग लिया... भारत एजुकेशन एक्सपो 2024 शिक्षा क्षेत्र का एक भव्य संगम है और छात्रों, विद्वानों और शिक्षा पेशेवरों के लिए किसी तीर्थ स्थल से कम नहीं है .श्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री उत्तरप्रदेश

जैसे-जैसे हमारी जरूरतें और समस्याएं बदलते समय के साथ बदलती हैं, शिक्षा प्रणाली में भी बदलाव अपरिहार्य है प्रो. डी.पी. सिंह पूर्व यूजीसी अध्यक्ष और टीआईएसएस चांसलर

उत्तर प्रदेश के माननीय उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने भारत एजुकेशन एक्सपो 2024 के उद्घाटन में कहा कि उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण (जीएनआईडीए) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम , भारत में शिक्षा क्षेत्र के भविष्य के बारे में जानने के लिए एक शक्तिशाली मंच है। इंडिया एजुकेशन एक्सपो 2024 शिक्षा क्षेत्र का एक भव्य संगम है और छात्रों, विद्वानों और शिक्षा पेशेवरों के लिए किसी तीर्थ स्थल से कम नहीं है'।

उद्घाटन कार्यक्रम के विशेष अतिथि प्रो. डी.पी. सिंह, पूर्व यूजीसी अध्यक्ष एवं टी.आई.एस.एस. चांसलर ने शिक्षा प्रणाली एवं नीतियों के बारे में जोर देते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की घोषणा से पूर्व वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने मिलकर वैश्विक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए 17 नए सतत विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.) तैयार किए थे, जिनका उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, समानता, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक विकास एवं वैश्विक सहयोग पर ध्यान केन्द्रित करते हुए मानवता एवं प्रकृति के संतुलित विकास हेतु एक समग्र योजना तैयार करना था। भारत भी इन लक्ष्यों पर हस्ताक्षरकर्ता रहा है तथा हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी नीतियों एवं कार्यों में इन लक्ष्यों को प्रभावी रूप से अपनाएं।

हालांकि, एक बड़ी चुनौती यह है कि नागरिकों में सतत विकास लक्ष्यों के प्रति जिम्मेदारी की भावना कैसे उत्पन्न की जाए, क्योंकि दुनिया भर में लोग विभिन्न सीमाओं, जाति, पंथ आदि के आधार पर विभाजित हैं। इस विभाजन के कारण लोग प्रायः एक-दूसरे से अलग-थलग महसूस करते हैं तथा वैश्विक समस्याओं के प्रति उनकी जिम्मेदारी की भावना कमजोर होती है। इस समस्या का उचित समाधान जन समुदाय में वैश्विक नागरिकता की भावना उत्पन्न करना है।

श्री रावतपुरा सरकार लोककल्याण ट्रस्ट के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री श्याम सुंदर बजाज एवं ट्रस्ट के सेकेट्री श्री अतुल कुमार तिवारी तीन दिन के इस एक्सपो में शामिल हुए।

इस शैक्षिक एक्सपो में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के कुलपति, संस्थानों के प्रमुख, प्रख्यात शिक्षाविद और उद्योग जगत की हस्तियां एकत्रित हुईं, जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य से श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटीइस एक्सपो का हिस्सा बना, जहां यूनिवर्सिटीके प्रो चांसलर श्री हर्ष गौतम, यूनिवर्सिटीके रजिस्ट्रार डॉ सौरभ कुमार शर्मा भारत के विभिन्न राज्यों के छात्रों, प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की और 143 रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई। इस एक्सपो में तीन दिन में लगभग पचास हज़ार से अधिक स्टूडेंट्स एवं प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह का भव्य आयोजन...

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन इमर्जिंग ट्रेंड्स इन इंजीनियरिंग एन्ड टेक्नोलॉजी (ई.टी.ई.टी 2024)' में 250 से अधिक देश – विदेश के विद्यार्थी और शोधार्थी हाइब्रिड माध्यम से हुए सम्मलित। इस सम्मलेन के मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफ़ेसर दीपांकर चौधरी, आईआईटी, बॉम्बे एवं प्रोफ़ेसर एन. वी. रमना राव, निदेशक, एनआईटी, रायपुर शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात संयोजक द्वारा स्वागत उद्बोधन के माध्यम से सम्मेलन के विषय में विस्तार पूर्वक महत्वपूर्ण तथ्यों को साझा किया गया।

कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के डीन एकेडमिक प्रोफ़ेसर आर.आर. बिराली ने अपने विचार साझा करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन के मुख्य बिंदुओ पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम विवरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अथिति प्रोफ़ेसर एन.वी. रमना राव ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह आयोजन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी में बढ़ते हुए नवाचार व रुझानों के लिया किया जा रहा है। उन्होंने वर्तमान नवीनतम तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एडवांस क्वांटम कम्प्यूटिंग, मशीन लर्निंग एवं साइबर सिक्योरिटी जैसे अनेक विषयों पर अपना महत्वपूर्ण अनुभव साझा किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर दीपांकर चौधरी ने इंजीनियरिंग के मूलभूत आधार स्तम्भ सिविल, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल जैसे शाखाओं की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए वैश्विक स्तर पर हुए नए अनुसंधान पर महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए विभिन्न प्रकार के शोध एवं परियोजना का भी जिक्र अपने प्रस्तुतिकरण में किया।

इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन के प्रथम दिवस के टेकनिकल सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफ़ेसर दिलीप सिंह सिसोदिया, एनआईटी, रायपुर एवं प्रोफ़ेसर एन. वी. स्वामी नायडू, एनआईटी, रायपुर उपस्थित हुए है।

यनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस. के. सिंह, संयोजक प्रो. आर. आर. एल बिराली, सह-संयोजक डॉ. मिथलेश सिंह के साथ अभियांत्रिकी संकाय के सभी शिक्षक उपस्थित थे। यूनिवर्सिटी के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में देश – विदेश से सम्मिलित हुए विद्यार्थी और शोधार्थी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ई.टी.ई.टी -2024 का सफलता पूर्वक समापन...

रायपुर। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) में अभियांत्रिकी संकाय के तत्वाधान से "इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में उभरते रुझान (EIET-2024)" पर दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 250 से अधिक देश – विदेश के विद्यार्थी और शोधार्थी ने पेपर और मेनुस्क्रिप्ट प्रस्तुत किए एवं विशेषज्ञों ने हाइब्रिड मोड के माध्यम से सम्मेलन को संबोधित किया।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफ़ेसर टी. एन. सिंह , निदेशक, आईआईटी पटना एवं प्रोफ़ेसर पी. के. मिश्रा, आईआईटी (बी.एच.यू) शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात सह-संयोजक द्वारा स्वागत उद्बोधन के माध्यम से सम्मेलन के विषय में विस्तार पूर्वक महत्वपूर्ण तथ्यों को साझा किया गया।

अपने उद्बोधन में विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर पी. के. मिश्रा ने इंजीनियरिंग की पीढ़ियों, पारिस्थितिक एवं पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपना अनुभव साझा किया। साथ ही साथ उन्होंने रोबोटिक्स और स्वचालन, सॉफ्ट स्किल्स, ग्रीन एवं डिजिटल स्किल्स और कम्युनिकेशन स्किल्स जैसे प्रमुख बिंदुओं पर भी प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया।

मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर टी.एन सिंह ने केमिकल इंजीनियरिंग, जियो केमिकल इंजीनियरिंग और सिविल इंजीनियरिंग में अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने वैश्विक व्यवस्था और पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कुल पांच तकनिकी सेशन में मुख्य वक्ताओ ने प्रतिभागियों के समक्ष अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए और संबंधित समन्वयक द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से पेपर प्रस्तुत किए गए। समापन समरोह में मंचासीन अतिथियों ने इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में उभरते रुझान पर कांफ्रेंस की पत्रिका का भी विमोचन किया। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटीके कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने अभियांत्रिकी संकाय द्वारा सफल अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन के आयोजन की शुभकामनाएं दी और मंचासीन मुख्य अतिथियो का पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह से स्वागत किया।

टेक्निकल सेशन के समापन के पश्चात कांफ्रेंस के सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें विभिन्न लोकनृत्य व गायन की प्रस्तुति दी गई। अंत में मंचासीन मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों ने बेस्ट पेपर एवं बेस्ट मेनुस्क्रिप्ट के विजेताओं को प्रतीक चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात कांफ्रेंस के सह-संयोजक डॉ. अजय कुमार गुप्ता ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक एवं डीन एकेडमिक प्रोफेसर आर. आर. एल. बिराली ने आयोजन समिति, प्राध्यापकगण एवं कर्मचारियों को सफल आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीसीओएसटी) एवं एस.आर.यू के फार्मेसी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन....

विश्व में हर तीसरा व्यक्ति भारत में निर्मित दवाइयों का सेवन करता है डॉ. दीपेंद्र सिंह

हमारे पूर्वजों द्वारा प्रदान की गई पारंपरिक ज्ञान पर आधारित प्रक्रिया का पालन करना है सतत विकास मुख्य अतिथि श्री अरुण कुमार पांडे

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों को कैरियर सहयोगी विशेष क्षेत्र में बेहतर तरीके से तैयार करने की दिशा में अग्रसर है। इसी कड़ी में फार्मेसी विभाग द्वारा "औषधि विकास के लिए पारंपरिक स्वदेशी औषधीय पौधों के हालिया रुझान और भविष्य की संभावनाएं" विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों से शोध विद्वान, शिक्षाविद और विद्यार्थियों सहित 500 से अधिक पंजीयन हुए जिसमें सभी प्रतिभागी, शोधकर्ता और प्रोफेसर भी ऑनलाइन संगोष्ठी से जुड़े।

सेमिनार के संयोजक फार्मेसी विभाग के प्राचार्य डॉ. विजय कुमार सिंह ने दो दिवसीय सेमिनार के विषय पर विस्तार से बताते हुए कहा कि इस सेमीनार का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक औषधीय पौधों के उपयोग से नई औषधियों के विकास के लिए नवीनतम प्रगति, शोध उपलब्धियों तथा अवसरों की तलाश करना है।

यूनिवर्सिटी का संक्षिप्त परिचय देते हुए तथा विद्यार्थियों को ज्ञान अर्जन के दौरान जिम्मेदार एवं अच्छे नागरिक बनाने के उद्देश्य से संस्थान की स्थापना के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने कहा कि ज्ञान सार है, लेकिन ज्ञान का सार है उसे व्यवहार में लाना। छात्रों को अपने ज्ञान का उपयोग वास्तविक जीवन में अच्छे समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में करना चाहिए।

अपने संबोधन में कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने स्वदेशी पारंपरिक पौधों पर आधारित थीम का चयन करने के लिए फार्मेसी विभाग को बधाई दी तथा कहा कि आधुनिकता एवं तकनीक के इस युग में पौधों से प्राप्त होने वाली सभी औषधियां दुर्लभ होती जा रही हैं तथा प्राचीन काल में विभिन्न महामारियों की रोकथाम के लिए आयुर्वेद में वर्णित विधियों से उपचार किया जाता रहा है।

सेमिनार के मुख्य अतिथि डॉ. दीपेंद्र सिंह चेयरमैन, ईआरसी फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली ने औषधीय पौधों की उपलब्धता के कुछ आंकड़े साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में 1500 से अधिक औषधीय पौधे सूचीबद्ध हैं और राज्य के आदिवासी लोगों को स्वदेशी औषधीय प्रजातियों के उपयोग और उपचार की प्रक्रिया के बारे में बहुत अच्छी जानकारी है। साथ ही डॉ. सिंह ने कहा कि दुनिया में हर तीसरा व्यक्ति भारत में निर्मित गोलियों का सेवन करता है, क्योंकि दुनिया के किसी भी हिस्से में खोजी गई कोई भी दवा भारत से होकर ही गुजरी है, क्योंकि विश्व स्तर पर दवा निर्माण से संबंधित अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री अरुण कुमार पांडे आईएफएस एडिशनल सीसीएफ वन विभाग छत्तीसगढ़ ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि, हमारे पूर्वजों द्वारा प्रदान की गई पारंपरिक दवाओं की सीखने की प्रक्रिया का पालन करने और बनाए रखने के लिए पारंपरिक ज्ञान पर आधारित सतत विकास का महत्व है क्योंकि वेदों, उपनिषदों के अनुसार प्रत्येक पौधे और पेड़ का औषधीय महत्व है और श्री पांडे ने छत्तीसगढ़ के आयुर्वेद चिकित्सकों की मदद से वन औषधालय की स्थापना के बारे में भी चर्चा की और बताया कि कुछ औषधीय पौधे जैसे ग्लोरिसा सुपरबा जिससे आम तौर पर कलिहारी के रूप में जाना जाता है और लाल लता (वेंटिलागो डेंटिकुलता) पौधे के औषधीय बीज का तेल त्वचा रोगों को दूर करने के लिए उपयोगी हैं।

प्रथम दिवस के तकनीकी सत्र में प्रो.चंचल दीप कौर प्रिंसिपल आरसीपीएसआर रायपुर, डॉ नागेंद्र सिंह चौहान वरिष्ठ वैज्ञानिक औषधि परीक्षण प्रयोगशाला और अनुसंधान केंद्र, रायपुर और प्रोफेसर डॉ सुशील के शशि वनस्पति विज्ञान विभाग, जीजीयू, रायपुर राष्ट्रीय संगोष्ठी के रिसोर्स पर्सन थे।

सेमिनार में डीन अकादमिक डॉ. आरआरएल बिराली, मुख्य पी.आर.ओ श्री राजेश तिवारी ,आयोजन सचिव डॉ. वीणा देवी सिंह और फार्मेसी विभाग के सभी स्टाफ सदस्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे। मंच का संचालन डॉ. सिंदुरा भार्गव ने किया।

एस.आर.यू के प्रति- कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने पारंपरिक चिकित्सा के महत्व पर आधारित सेमिनार के आयोजन के लिए फार्मेसी विभाग को बधाई दी।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के फार्मेसी विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया...

आज के दौर के विद्यार्थी औषधीय पौधों के महत्व को समझें और इस क्षेत्र के अवसरों का लाभ उठाएं... डॉ. मंजू सिंह

छात्र पारंपरिक पौधों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़ के किसी औषधीय पौधे का चयन शोध के लिए करें... मुख्य अतिथि प्रो. राजीव प्रकाश

आयुर्वेद के क्षेत्र में आधुनिक फार्मास्यूटिकल को पारंपरिक औषधीय पौधों से जोड़ने के लिए श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने फार्मेसी विभाग द्वारा "औषधि विकास के लिए पारंपरिक स्वदेशी औषधीय पौधों के हालिया रुझान और भविष्य की संभावनाएं" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसे छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीसीओएसटी) द्वारा प्रायोजित किया गया।

संगोष्ठी में भारत के विभिन्न राज्यों से शोधार्थी, शिक्षाविद और छात्र सहित 500 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे। साथ ही मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि द्वारा संगोष्ठी में अधिकांश प्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सकों ने भी अपने अनुभव साझा किए और कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संगोष्ठी के तकनीकी सत्रों में कुल 90 पोस्टर प्रस्तुतीकरण तथा 50 मौखिक प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किए गए तथा दोनों गतिविधियों के शीर्ष पांच सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी को इस प्रकार के सेमिनार तथा कार्यशाला आयोजित करने पर गर्व है, जो छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के अलावा किसी विशेष क्षेत्र के वास्तविक पहलुओं से परिचित कराते हैं। यूनिवर्सिटी हमेशा भारतीय ज्ञान प्रणाली को विस्तृत करने का प्रयास करता है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का अवलोकन प्रस्तुत करते हुए संगोष्ठी के संयोजक डॉ. विजय कुमार सिंह ने कहा कि संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक ज्ञान तथा नवीनतम औषधि विज्ञान के बीच की खाई को कम करने के लिए एक सेतु तैयार करना है, ताकि आने वाली पीढ़ी को औषधीय पौधों के क्षेत्र में अवसरों के बारे में जानकारी मिल सके।

विशिष्ट अतिथि डॉ. मंजू सिंह अध्यक्ष, भारतीय फार्मेसी स्नातक संघ, छत्तीसगढ़ राज्य समिति, रायपुर ने अपने संबोधन में सबसे पहले यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा अपनाए गए तरीके की सराहना की, क्योंकि यूनिवर्सिटी एक शैक्षणिक मंदिर की तरह है, जहां शिक्षकों, शोधकर्ताओं तथा प्रशासकों की सहभागिता से छात्रों को सकारात्मक सुगंध मिलती है। और आज संगोष्ठी में जाने-माने संसाधन व्यक्तियों, शोध-पत्रों की प्रस्तुति और प्रतिभागियों की भारी भागीदारी राष्ट्रीय संगोष्ठी की सफलता को दर्शाती है, जो प्रासंगिक विषय पर आधारित है और वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप है। ऋग्वेद, आयुर्वेद और चरक संहिता में औषधीय पौधों के महत्व और मानव के लिए उनके लाभों के बारे में बताया गया है। इसलिए आज के युग के छात्र औषधीय पौधों के मूल्यों को समझते हैं और आयुर्वेद की दुनिया के अवसरों को भुनाने के लिए काम करना शुरू करते हैं।

मुख्य अतिथि आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली में भारतीय हमेशा आगे रहे हैं। सदियों से बाहर से आक्रमणकारी इस ज्ञान को हासिल करने के लिए भारत आए। समय के साथ, इस ज्ञान को इतिहास में अलग रखा गया। लेकिन एनईपी 2020 के माध्यम से भारत भारतीय ज्ञान प्रणाली के माध्यम से विश्व गुरु बनेगा और भविष्य में युवाओं के सहयोग से भारत विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से मैं फार्मेसी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विभाग के सभी विद्यार्थियों से अनुरोध करता हूं कि वे भारतीय पारंपरिक पौधों को समझें, छत्तीसगढ़ के किसी एक औषधीय पौधे का चयन करें और फिर उनके उपयोग, उपलब्धता और प्रक्रिया का विश्लेषण कर एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करें जिससे औषधीय पौधों की पहचान आसानी से हो सके।

सेमिनार में आयोजन सचिव डॉ. वीणा देवी सिंह और फार्मेसी विभाग के सभी स्टाफ सदस्य और विद्यार्थी मौजूद थे। और मंच का संचालन डॉ. सिंदुरा भार्गव ने किया। यूनिवर्सिटी के प्रो-चांसलर श्री हर्ष गौतम ने पारंपरिक चिकित्सा के महत्व पर आधारित सेमिनार के आयोजन के लिए फार्मेसी विभाग की सराहना की।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में संविधान दिवस मनाया गया...
कार्यक्रम में शपथ ग्रहण समारोह के साथ भारतीय संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाई गई..

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में संविधान दिवस समारोह की शुरुआत शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुई, जहां कुलपति प्रोफेसर एस.के. सिंह ने गणमान्य व्यक्तियों और छात्रों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और आधुनिक भारत को आकार देने और स्वतंत्रता के बाद एक लोकतांत्रिक और विनियमित राष्ट्र सुनिश्चित करने में डॉ. भीम राव अंबेडकर द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

विशेष अतिथि एडवोकेट फहीम खान डिप्टी डिफेंस काउंसिल डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विस अथॉरिटी ने भारतीय संविधान के प्रारूपण में शामिल समिति के सदस्यों और अध्यक्षों की भूमिकाओं पर व्यावहारिक विचार साझा किए। उन्होंने कानून और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में हाल ही में किए गए तीन संशोधनों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें न्याय और मौलिक अधिकारों के महत्व पर जोर दिया गया।

मुख्य अतिथि माननीय सेवानिवृत्त जिला सत्र न्यायाधीश श्री अशोक शर्मा ने भारतीय संविधान के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में बात की, तथा बताया कि राष्ट्रपति, भारत सरकार, राज्य सरकारें तथा अन्य शासी निकाय इसके ढांचे के भीतर कैसे कार्य करते हैं।

कार्यक्रम का समापन विधि विभाग के विभागाध्यक्ष श्री अभिषेक मिश्रा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया।कार्यक्रम का कुशल समन्वय विधि विभाग की सहायक प्रोफेसर सुश्री रूपल अग्रवाल द्वारा किया गया।

विश्व कल्याण एवं छत्तीसगढ़ की समृद्धि हेतु श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में 11 लाख लक्ष्यार्चन सम्पन्न
11 लाख से अधिक आहुतियों से नमः नमः गूंज उठा श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी का प्रांगन....

श्री अनंत विभूषित रवि शंकर जी महाराज द्वारा श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के प्रांगण में विश्व कल्याण एवं समृद्ध छत्तीसगढ़ हेतु माँ राजराजेश्वरी के 1000 नामों के जाप के साथ एकादश लक्ष्यार्चन में 11 लाख से अधिक आहुतियां दी गई। श्री रावतपुरा सरकार लोक कल्याण ट्रस्ट के सानिध्य में भक्ति और आध्यात्मिकता का अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया गया है।कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य एवं अन्य राज्यों से श्रवालुओं ने अपनी आहुति इस अवसर पर माँ राजराजेश्वरी को अर्पित की। प्रम्श्रध्येय महाराज श्री के सानिध्य में आयोजित लक्ष्यार्चन से चारो दिशाओं में 'नम नमः' जयघोष से गूंज उठा।

कार्यक्रम का उद्देश राज्य में सभी व्यक्तियों की उन्नति एवं राज्य कल्याण था श्रध्धालुओं द्वारा उक्त आयोजन में उपश्थित होकर आध्यात्मिकता का अनुभव किया गया। लक्ष्यार्चन का भव्य आयोजन एवं साजसज्जा से एक अनूठा अनुभव किया गया।

आयोजन में उपस्थित विशाल जन समुदाय द्वारा अनुष्ठान में भाग लेकर अपने आप को इस अनुभूति की स्मृति को संजोया ।

प्रशासन द्वारा लक्ष्यार्चन हेतु निशुल्क व्यवस्था की गई जिसमे मौसमी फल, फूल तथा मेवा एवं सिन्दूर था। ग्रामीण क्षेत्रों एवं अन्य राज्य से आए श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क परिवहन की व्यवस्था की गई थी तथा माँ की आरती की उपरांत सभी श्रधालुओं भंडारे में प्रसाद की व्यवस्था की गई थी।

इस विशाल आयोजन की व्यापक रूप से प्रशंसा की गई एवं इसे आने वाले वर्षों में अपनी स्मृति में संजोय रखा जाएगा। आयोजन की भव्यता और आहुतियाँ की विशाल संख्या ने सभी को मोहित कर दिया। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने इस आयोजन को अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न कराया, जो आने वाले वर्षों तक याद रखा जाएगा।

श्री महारज श्री के सानिध्य से प्रदेश की सामाजिक, आर्थिक एवं अध्यात्मिक रूप से उन्नति का लक्ष्य प्राप्त होगा ।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह को अंतर्राष्ट्रीय डायनेमिक अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के सम्मानित कुलपति प्रो. एस.के. सिंह को हाल ही में समग्र उत्कृष्टता के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों और योगदान के लिए प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय डायनेमिक अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। ग्लोबल ब्रदरहुड फोरम द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह में प्रो. सिंह को यह पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

प्रो. सिंह का शिक्षा और सार्वजनिक सेवा में एक विशिष्ट करियर था। अपनी वर्तमान भूमिका से पहले, उन्होंने बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) में प्रबंधन अध्ययन के प्रोफेसर और भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के साथ आईसीसीआर चेयर प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। उन्होंने बिहार के दरभंगा में एल.एन. मिथिला यूनिवर्सिटी में कुलपति और बीएचयू में प्रबंधन अध्ययन संस्थान में प्रमुख और डीन के प्रतिष्ठित पदों पर भी कार्य किया है।

उनके अनुकरणीय नेतृत्व और अकादमिक योगदान ने बीएचयू में चीफ प्रॉक्टर और यूनिवर्सिटी में राजीव गांधी साउथ कैंपस के अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका को और आगे बढ़ाया है।

प्रोफेसर सिंह की प्रशंसा और उच्च शिक्षा के प्रति उनकी सेवा उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है, और ग्लोबल ब्रदरहुड फोरम में उनकी मान्यता, शिक्षा जगत और सामाजिक विकास के प्रति उनके निरंतर प्रभाव और समर्पण को उजागर करती है।

विधि विभाग द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना: राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का आधार पर अतिथि व्याख्यान किया गया आयोजित

आज श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में "भारतीय संविधान की प्रस्तावनाः राष्टीय एकता एवं अखंडता का आधार" विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर के प्रोफेसर डॉ अजय सिंह ने अपने व्याख्यान में बताया कि अंग्रेजो ने भारत की सामाजिक राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति को बहुत ही कमजोर किया उसके बाद जब देश स्वतंत्र हुआ तो देश को चलाने के लिए एक कानून की आवश्यकता पड़ी जिससे देश में सामाजिक एवं राजनीतिक न्याय मिल सके।

अतिथि व्याख्यान में श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने प्रोफेसर डॉ अजय सिंह का पुष्प गुच्छ से स्वागत कर विधि विभाग के विद्यार्थियों को अतिथि व्याख्यान के द्वारा लाभ लेने को कहा और यूनिवर्सिटी में विभाग के लिए निरंतर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किय जायेगा।

प्रो. अजय सिंह ने भारतीय संविधान की चर्चा कर बताया कि 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान के रूप में देश की सर्वोच्च विधि का निर्माण हुआ और भारत के संविधान के रूप में लागू किया गया भारत के संविधान में प्रस्तावना को संविधान की आत्मा कहा गया है संविधान की प्रस्तावना भारत के संविधान का मुख्य उद्देश्य प्रदर्शित करती है केशवानंद भारती के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने यह निर्धारित किया कि भारत के संविधान की प्रस्तावना में संशोधन किया जा सकता है लेकिन उसके मूल ढांचे को परिवर्तित नहीं किया जा सकता अर्थात यह संविधान की प्रमुख विशेषताओं को दर्शित करती है संविधान की प्रस्तावना में उपयोग किए गए शब्द जैसे हम भारत के लोग अर्थात भारत की संप्रभुता भारत की जनता में निहित है एवं लोकतांत्रिक गणराज्य का तात्पर्य जनता के लिए ,जनता द्वारा, जनता का शासन अर्थात भारत की संप्रभुता भारत के लोगों में निहित है भारत के संविधान की प्रस्तावना भारत की एकता एवं अखंडता का आधार है इसमें सभी नागरिकों को विचार अभिव्यक्ति एवं अवसर की समता प्रदान करने की गारंटी दी गई है।

अंत में विधि विभाग के श्री अभिषेक मिश्रा के द्वारा मुख्य वक्ता को स्मति चिन्ह भेंट किया गया एवम व्याख्यान में अपना अमूल्य समय प्रदान करने के धन्यवाद ज्ञापित किया।

सहायक प्रोफेसर डॉ. सागर कुमार साहू द्वारा जलवायु परिवर्तन और कृषि स्थिरता पर अध्याय प्रकाशित सहायक प्रोफेसर डॉ. सागर कुमार साहू ने कार्बन क्रेडिट को समायोजित करने के तरीकों की खोज की..

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी हमेशा छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने में अग्रसर है, जिसके लिए यूनिवर्सिटी संकाय भी विशेष क्षेत्र के सर्वोत्तम शिक्षण और सैद्धांतिक पहलुओं को प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं । इस दृष्टिकोण से यूनिवर्सिटी के भौतिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सागर कुमार साहू द्वारा किए गए शोध में विस्तृत जानकारी किसानों के लिए व्यावहारिक समाधान प्रदान करती है, जो कृषि प्रथाओं में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

जलवायु परिवर्तन और कृषि स्थिरता पर अध्याय "कृषि में वैश्विक वार्मिंग और जलवायु परिवर्तनः सौर सेल नवाचारों के साथ कृषि स्थिरता को संबोधित करना" नामक प्रकाशित हुआ है। यह अध्याय "कृषि में वैश्विक वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन" पुस्तक का हिस्सा है, और कार्बन क्रेडिट (कार्बन पदचिह्न) को समायोजित करने और कृषि में हरित ऊर्जा के उपयोग को अधिकतम करने के तरीकों की खोज करता है। विस्तृत जानकारी किसानों के लिए व्यावहारिक समाधान प्रदान करती है, जो टिकाऊ कृषि प्रथाओं में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

डॉ. साहू का काम कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए विभिन्न तकनीकों पर गहराई से चर्चा करता है, जिसमें सौर सेल प्रौद्योगिकी के अभिनव उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह अध्याय इस बात पर एक व्यापक अध्ययन प्रदान करता है कि किसान जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कैसे बन सकते हैं और अपनी स्थिरता में सुधार कर सकते हैं। प्रकाशन, आईएसबीएनः 978-81-974103-4-5, वैश्विक तापमान वृद्धि के मद्देनजर टिकाऊ कृषि पद्धतियों के लिए व्यावहारिक रणनीतियों की पेशकश करके कृषक समुदाय को महत्वपूर्ण रूप से लाभान्वित करने की उम्मीद है। निष्कर्ष जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने और पर्यावरण के अनुकूल कृषि विधियों को बढ़ावा देने में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

certificate

भारतीय संस्कृति विषय पर शिक्षा संकाय द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन बीएड एवं डीएलएड के विद्यार्थियों ने रंगोली के माध्यम से दिया भारतीय संस्कृति का परिचय

प्रतिवर्ष के अनुरूप इस वर्ष भी श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के परिसर में शिक्षा संकाय द्वारा भारतीय संस्कृति पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे शिक्षा विभाग के बीएड एवं डीएलएड के विद्यार्थियों ने रंगोली के माध्यम से भारत के विभिन्न त्योहारों, नृत्य, वादयंत्र एवं विख्यात इमारतें को दर्शाया।रंगोली प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डीन डॉ. अनुभूति कोसले, सह प्रध्यापक डॉ. विना देवी सिंह ने विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई सभी रंगोली का अवलोकन कर निर्णय दिया जिसमें प्रथम स्थान हेमा,सुजाता हिमांशी एवं सावित्री, द्वितीय स्थान हिमांशी सावित्री, द्वितीय स्थान सोनाली, अनिता, भावेश एवं पूर्णिमा और तृतीय स्थान ममता कुंजाम् एवं दीप्ति साहू ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों से यूनिवर्सिटी के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा और उप-कुलसचिव डॉ. कमल प्रधान ने वार्तालाब कर सभी को शुभकामनाएं दी और विभाग द्वारा सभी प्रतियोगिताओं में सर्वोच्च प्रदर्शन करने पर जोड़ दिया।कार्यक्रम का समन्वय शिक्षा विभाग के डीन प्रोफेसर अभिषेक श्रीवास्तव एवं संचालन डॉ. खेमवती साहू द्वारा किया और शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ ईश्वर प्रसाद यदु, डॉ ऋचा तिवारी , डॉ जय नाथ यादव, डॉ सुनीता यादव,शिवानी शर्मा , श्री संतलाल साहू , श्रीमति पूर्णिमा साहू,रविन्द्र मेहेर , उपस्थित थे।

एक कोर्स के साथ साथ दूसरी डिग्री लेना भी अब संभव

We are offering

DUAL DEGREE

- B.Com. + B.B.A.
- M.Com. + M.B.A.
- B.A. + B.B.A.
- M.A. + M.B.A.
- M.Tech. + M.B.A.
- M.Sc. + M.B.A.
- M.Sc. + M.C.A.
- M.A. + L.L.B.
- M.Sc. + L.L.B.
- M.B.A. + L.L.B.
- B.A. / B.Sc. + B.A. / B.Sc.
  (Fashion Design / Interior Design)

इनके अतिरिक्त अन्य विकल्प भी उपलब्ध है

** Subjected to fulfillment of eligibility criteria

स्थानीय सहायता केंद्र

अंबिका मार्केट, बनारस चौक,
पी.जी. कॉलेज के सामने,
अंबिकापुर
72240889708

एल.आई.जी.-247,
घंटाघर चौक के पास
कोरबा
8817856591

प्रथम तल कृष्णा स्टील, जुनवानी
रोड, विवेकानंद नगर, कोहका
भिलाई
9337350080

बिलासा इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग,
चिरचिरदा रोड, बोदरी
बिलासपुर
7222910434
7489923419

श्री रावतपुरा ग्रुप ऑफ़ इन्स्टिट्यूशन
एन.एच.30 आसना पोस्ट ऑफिस के पास
जगदलपुर
7222910435
7222992477

AFFORDABLE FEES

AVAIL UPTO 100% SCHOLARSHIP

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम
प्रति - कुलाधिपति

प्रो. एस. के. सिंह
कुलपति

डॉ. सौरभ कुमार शर्मा
कुलसचिव

प्रधान संपादक
राजेश तिवारी

संपादक
शुभम नामदेव

ग्राफिक्स डिज़ाइन
विवेक विश्वकर्मा